100 Years 1920-2020
University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 19 September 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 1 & 5

कैंपस | लखनऊ विश्वविद्यालय में इनक्युबेशन सेल का गठन, कंपनी 'नवांकुर' की स्थापना

आइडिया लाइए, लविवि आपको बनाएगा उद्यमी

अक्षय कुमार

लखनऊ। नैक में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग लाने के बाद नए क्षेत्रों में काम कर रहे लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब स्टार्टअप व इनोवेशन को लेकर भी कवायद तेज कर दी है। विवि प्रशासन ने अपने यहां इनक्युबेशन सेल का गठन कर सेक्शन-8 के तहत अपनी कंपनी 'नवांकुर' का रजिस्ट्रेशन भी करा लिया है। अन्य औपचारिकताएं पूरी कर जल्द ही काम भी शुरू हो जाएगा।

लविवि के विद्यार्थियों के साथ यहां के शिक्षकों व आम लोगों के पास भी काफी उपयोगी आइडिया होते हैं, जिन्हें इनक्युबेट कर आगे बढ़ाया जा सकता है। अभी तक इसके लिए विवि के पास कोई व्यवस्थित तंत्र नहीं था। इसे देखते हुए अच्छे आइडिया को इस कंपनी जरिये आकार कर उसे बाजार तक पहुंचाया जाएगा। प्रदेश सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी के तहत इनक्युबेशन सेल की गतिविधियों के लिए 30 लाख रुपये सालाना की सहायता, पांच साल तक की जाएगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि हमारे इंजीनियरिंग संकाय के दो विद्यार्थियों ने काफी अच्छा इनोवेशन किया है। अब हम रजिस्टर्ड कंपनी नवांकुर के साथ उनका एमओयू कराएंगे। इंजीनियरिंग के साथ ही हमारे यहां साइंस फैकल्टी के फिजिक्स, केमिस्ट्री आदि विभागों में भी अच्छे काम हो रहे हैं, जिनको आगे बढ़ाने की जरूरत है। आज का समय इनोवेशन और स्टार्टअप का ही है। युवाओं के साथ आम लोगों के पास भी अच्छे विचार हैं, जिनको सहयोग कर व तकनीकी सहायता देकर आगे बढ़ाया जाए तो वह आम लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है। साथ ही रोजगार की भी संभावनाएं बढ़ेंगी। इसे देखते हुए हमने इस दिशा में काम शुरू किया है। कंपनी के रजिस्ट्रेशन के साथ ही प्रो. अमृतांशु शुक्ला को इसका निदेशक बनाया गया है। ओएनजीसी बिल्डिंग में इसका सेटअप तैयार किया जा रहा है।

शासन से हर साल मिलेगी 30 लाख की आर्थिक सहायता

आइडिया को कॉमर्शियल करने में होगी सुविधा

इनक्युबेशन सेल के निदेशक प्रो. अमृतांशु शुक्ला ने बताया कि यह सेल लोगों के आइडिया को कॉमर्शियल करने में मदद करेगा। हाल ही में स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में हमारे स्टूडेंट्स ने एप डवलप कर पुरस्कार जीता है। ऐसे युवाओं, पूर्व छात्रों, शिक्षकों या आम लोगों के विचार को हम आकार देंगे। उन्हें नई कंपनी बनाने व स्टार्टअप शुरू करने के लिए भी प्रेरित करेंगे।

- **कौशल विकास को भी देंगे बढ़ावा :** इनक्युबेशन सेल की ओर से सामाजिक समस्याओं का वैज्ञानिक व तकनीकी माध्यम से समाधान निकाला जाएगा। साथ ही केंद्र के स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत व राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कौशल विकास संबंधी प्रयासों को बढ़ावा दिया जाएगा।

सेल्फ फाइनेंस कोर्स चलने तक के लिए तैनात होंगे शिक्षक-कर्मचारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि प्रशासन ने विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालयों के सेल्फ फाइनेंस कोर्स के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। अब विवि व सहयुक्त महाविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंस कोर्स के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों की तैनाती कोर्स चलने तक के लिए होगी। जबकि पहले यह पांच साल के लिए ही होती थी। इससे लगभग 6000 शिक्षक प्रभावित होंगे।

लविवि की हाल में हुई कार्य परिषद की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव पास किया गया। रजिस्ट्रार संजय मेधावी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि विवि व सहयुक्त महाविद्यालयों में चल रहे सभी स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम में संविदा पर काम कर रहे शिक्षक/शिक्षणेतर कर्मचारियों के सेवा विस्तार का अनुमोदन किया गया है। हर दो साल पर उनके काम का रिव्यू किया जा सकेगा। सेवा संतोषजनक होने पर इसे आगे बढ़ाया जा सकेगा।

6000 शिक्षकों को विवि का बड़ा तोहफा

विवि शिक्षकों का मानदेय भी बढ़ाया

लविवि प्रशासन ने सभी स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के शिक्षकों के मानदेय को भी रिवाइज किया है। रजिस्ट्रार की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि यूजी, पीजी व डिप्लोमा कोर्सों, इंजीनियरिंग संकाय व आईएमएस में पढ़ा रहे 200 से ज्यादा शिक्षक इससे लाभांवित होंगे।

बीए-बीएससी की काउंसिलिंग आज से

लविवि : पहले चरण की च्वॉइस फिलिंग आज तक, दो दिन में जारी होगा सीट अलॉटमेंट

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में नए सत्र 2022-23 के लिए बीए एनईपी, बीएससी बायो व बीएससी मैथ्स की च्वॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 19 सितंबर से शुरू होगी। विवि प्रशासन की ओर से प्रवेश काउंसिलिंग के लिए विद्यार्थियों की मेरिट पहले ही जारी की जा चुकी है। इसमें शामिल सभी विद्यार्थी प्रवेश काउंसिलिंग में शिरकत कर सकते हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि बीए एनईपी, बीएससी बायो व बीएससी मैथ्स की च्वॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 19 से 22 सितंबर तक चलेगी। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट के एडमिशन पेज पर जाकर च्वॉइस भर सकेंगे। इसके लिए उन्हें अपनी लॉगिन आईडी का प्रयोग करना होगा। 22 सितंबर के बाद किसी भी ऐसे अभ्यर्थी पर विचार नहीं किया जाएगा, जिसने उपरोक्त तिथि में शामिल होकर प्रक्रिया नहीं पूरी की होगी। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे सभी निर्देशों को ठीक से पढ़कर काउंसिलिंग में शिरकत करें। वहीं पहले चरण में शामिल कोर्सों बीकॉम एनईपी, बीकॉम ऑनर्स, बीएफए-बीवीए, एलएलबी इंटीग्रेटेड, बीजेएमसी, बीएससी एग्रीकल्चर व बीएलएड की च्वॉइस फिलिंग रविवार देर रात तक चली। इनका सीट अलॉटमेंट दो दिन में जारी कर दिया जाएगा। जबकि दूसरे चरण में शामिल कोर्सों बीबीए, बीसीए व डीफार्मा की प्रवेश काउंसिलिंग 20 सितंबर तक चलेगी।

एमए-एमएससी एंथ्रोपोलॉजी की परीक्षा 20 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालयों में एमए-एमएससी एंथ्रोपोलॉजी दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 सितंबर से शुरू हो रही हैं। विवि प्रशासन ने इसका विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इसके अनुसार एमए-एमएससी एंथ्रोपोलॉजी दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 26 सितंबर तक, एमए-एमएससी फोरेंसिक साइंस दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 28 सितंबर तक, एमए-एमएससी एंथ्रोपोलॉजी चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 से 28 सितंबर तक, एमए-एमएससी फोरेंसिक साइंस चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 से 28 सितंबर तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी। इसी क्रम में शास्त्री की दूसरे, चौथे व छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 से 30 सितंबर तक सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होंगी। वहीं बीए, बीएससी, बीकॉम ओल्ड कोर्स का भी शेड्यूल विवि प्रशासन ने रिवाइज किया है। इसके अनुसार, बीए दूसरे सेमेस्टर (स्टेटिस्टिक्स, मैथ्स व एंथ्रोपोलॉजी को छोड़कर) सभी विषयों की परीक्षाएं 24 व 28 सितंबर को सुबह नौ से 10.30 बजे तक होंगी। बीएससी दूसरे सेमेस्टर (स्टेटिस्टिक्स, मैथ्स व एंथ्रोपोलॉजी के साथ) ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 24 व 26 सितंबर को दोपहर दो से 3:30 बजे तक होंगी। वहीं बीकॉम दूसरे सेमेस्टर ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 20 से 30 सितंबर तक दोपहर दो से 3:30 बजे तक होंगी।

i-NEXT PAGE 4

सेल्फ फाइनेंस टीचर्स को मिली बड़ी राहत

अब कोर्स में एक बार नियुक्ति के बाद कोर्स संचालित होने तक करेंगे नौकरी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (18 Sept): लखनऊ यूनिवर्सिटी व संबद्ध डिग्री कॉलेजों में सेल्फ फाइनेंस कोर्सेज में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों को एलयू प्रशासन ने बड़ी राहत दी है. अब इन शिक्षकों और कर्मचारियों को कोर्स संचालित होने तक नौकरी दी जाएगी. हर दो साल पर उनकी सेवा की समीक्षा की जाएगी. कुलसचिव संजय मेधावी ने यह आदेश जारी कर दिए हैं.

करीब 5 हजार शिक्षक

एलयू के सेल्फ फाइनेंस कोर्सों में पांच हजार से ज्यादा शिक्षक और करीब ढ़ाई हजार शिक्षणेत्तर कर्मचारी हैं. अभी इन कोर्सों में संविदा के आधार पर हर साल पांच साल के लिए शिक्षकों की तैनाती होती थी. उसके बाद फिर से चयन प्रक्रिया अपनाई जाती थी. प्रक्रिया पूरी होने में समय लगने पर कोर्स से जुड़े स्टूडेंट्स की पढ़ाई भी प्रभावित हो जाती थी. ऐसे लखनऊ यूनिवर्सिटी ने शासन के आदेश के बाद संविदा पर कार्यरत शिक्षकों की सेवाएं सेल्फ फाइनेंस कोर्स संचालन तक जारी रखने का निर्णय लिया है.

शिक्षकों का वेतन भी तय

सभी सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों में कार्यरत शिक्षकों एवं विषय विशेषज्ञों के लिए नया वेतन भी निर्धारित कर दिया है. अब आईएमएस, अभियांत्रिकी संकाय, फार्मेसी संस्थान एवं वाणिज्य संकाय में संचालित एमबीए पाठ्यक्रम में पढ़ाने वाले सहायक प्रोफेसर को 57,700 रुपये प्रतिमाह और ईपीएफ की सुविधा रहेगी.

JAGRAN CITY PAGE III

सेल्फ फाइनेंस कोर्स चलने तक रहेगी संविदा सेवा

अभी तक हर पांच साल बाद फिर से अपनाई जाती थी शिक्षकों-कर्मियों की चयन प्रक्रिया

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों लिए एक और अच्छी खबर है। अब उनकी सेवा पाठ्यक्रम के संचालन तक जारी रहेगी। हालांकि हर दो साल पर उनकी सेवा की समीक्षा भी की जाएगी। बीते दिनों हुई कार्य परिषद में प्रस्ताव का अनुमोदन मिलने के बाद अब कुलसचिव संजय मेधावी ने आदेश जारी कर दिए हैं।

लवि में लखनऊ, रायबरेली, लखीमपुर खीरी, हरदोई व सीतापुर जिले के 545 महाविद्यालय जुड़ चुके हैं। इनमे स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों (सेल्फ फाइनेंस) कोर्सों में पांच हजार से ज्यादा शिक्षक और करीब ढाई हजार शिक्षणेतर कर्मचारी कार्यरत हैं। अभी तक इन कोर्सों में संविदा के आधार पर हर साल पांच साल के लिए शिक्षकों की तैनाती होती थी। उसके बाद फिर से चयन प्रक्रिया अपनाई जाती थी। प्रक्रिया पूरी होने में समय लगने पर कोर्स से जुड़े विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हो जाती थी। ऐसे लखनऊ विश्वविद्यालय ने शासन के आदेश के बाद संविदा पर कार्यरत शिक्षकों की सेवाएं सेल्फ फाइनेंस कोर्स संचालन तक जारी रखने का निर्णय लिया है।

इस दौरान संतोषजनक सेवा के लिए हर दो साल पर उनकी सेवा की समीक्षा भी की जाएगी। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि यह व्यवस्था लवि एवं सहयुक्त सभी महाविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों के शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों पर लागू होगी। सभी विभागों एवं कालेजों के प्राचार्यों को इस संबंध में आदेश का पालन करने के लिए पत्र जारी कर दिया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय : आरक्षण प्रमाणपत्रों की जांच

लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक प्रवेश में आरक्षण से लेकर स्पोर्ट्स एवं एनसीसी का वेटेज (अधिभार) का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्रों की जांच के लिए रविवार को एक और मौका दिया गया था। जेके ब्लाक में सुबह 10 बजे से जांच के लिए शिक्षकों की टीम मौजूद रही। तमाम अभ्यर्थियों ने अपने आरक्षण प्रमाण पत्रों की जांच कराई।

बीए, बीएससी बायो और गणित का विकल्प आज से भरें : लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश के अंतर्गत बीए (एनईपी), बीएससी बायो और बीएससी गणित में आनलाइन काउंसलिंग सोमवार दोपहर से शुरू होगी। अभ्यर्थी पंजीकरण के बाद विकल्प भर सकेंगे। इसके लिए 22 सितंबर तक मौका रहेगा। रविवार को प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने इस संबंध में वेबसाइट पर नोटिफिकेशन जारी किया है। उन्होंने बताया कि च्वाइस फिलिंग के आप्शन में जाकर अभ्यर्थी को अपने पूर्व में दिए गए लागिन आइडी के माध्यम से विकल्प भरना होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में रविवार को परास्नातक में दाखिले के लिए आरक्षण के प्रमाणपत्रो की जांच कराने पहुंचे अभ्यर्थी • सौजन्य लवि

एमए और एमएससी एंथ्रोपोलाजी की परीक्षाएं 20 से

लवि की एमए, एमएससी एंथ्रोपोलाजी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 व चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 सितंबर से शुरू होंगी। एमए शास्त्री दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 सितंबर से शुरू होंगी। वहीं, बीए, बीएससी द्वितीय सेमेस्टर (ओल्ड कोर्स) की परीक्षाओं के कार्यक्रम में भी बदलाव कर दिया है। अब यह परीक्षाएं भी 24 सितंबर से शुरू होंगी।

एमए, एमएससी एंथ्रोपोलाजी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 26, चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 से 28 सितंबर तक चलेंगी। एमए, एमएससी फारेंसिक साइंस द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 28 सितंबर और चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 से 28 सितंबर तक संचालित होंगी। दोनों परीक्षाओं का समय दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक रहेगा। शास्त्री दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 से 30 सितंबर तक होंगी। परीक्षा का समय सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

बीए, बीएससी द्वितीय सेमेस्टर ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं अब 24 से, कार्यक्रम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक बीए, बीएससी द्वितीय सेमेस्टर (ओल्ड कोर्स) की परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया। यह परीक्षाएं अब 24 से 28 सितंबर तक होंगी। बीकाम द्वितीय सेमेस्टर ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित तिथि 20 सितंबर से शुरू होंगी। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर तिथिवार कार्यक्रम देख सकते हैं। बीए की परीक्षा का समय सुबह नौ से 10.30 बजे तक और बीएससी की परीक्षा दोपहर दो से 3.30 बजे तक रहेगा।

ये है ओल्ड कोर्स का संशोधित परीक्षा कार्यक्रम

- बीए द्वितीय सेमेस्टर : 24 सितंबर - सभी विषय पेपर 1, 28 सितंबर सभी विषय पेपर 2
- बीएससी द्वितीय सेमेस्टर : 24 सितंबर सभी विषय, पेपर 1, 26 सितंबर सभी विषय पेपर 2

लवि में संविदा शिक्षकों का नया वेतन भी निर्धारित

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों में कार्यरत शिक्षको एवं विषय विशेषज्ञो के लिए नया वेतन भी निर्धारित कर दिया है। अब आइएमएस, अभियांत्रिकी संकाय, फार्मेसी संस्थान एवं वाणिज्य संकाय में संचालित एमबीए पाठ्यक्रम में पढ़ाने वाले सहायक प्रोफेसर को 57,700 रुपये प्रतिमाह और ईपीएफ की सुविधा रहेगी। वहीं, एसोसिएट प्रोफेसर को 850000 रुपये, प्रोफेसर को एक लाख 10 हजार रुपये और निदेशक को एक लाख 20 हजार रुपये व 10 हजार रुपये प्रतिमाह विशेष भत्ता दिया जाएगा। वित्त समिति और कार्य परिषद के अनुमोदन के बाद कुलसचिव संजय मेधावी ने इस संबंध में आदेश जारी किए है। जारी आदेश के मुताबिक आइएमएस, अभियांत्रिकी संकाय, फार्मेसी संस्थान एवं वाणिज्य संकाय में संचालित एमबीए पाठ्यक्रम के अलावा दूसरे स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम के सहायक प्रोफेसर को 35 हजार रुपये प्रतिमाह, एसोसिएट प्रोफेसर को 60 हजार रुपये, प्रोफेसर को 90 हजार रुपये प्रतिमाह के साथ ईपीएफ की संस्तुति की गई है।

विषय विशेषज्ञों के लिए प्रतिमाह इतना वेतन

- पीजी व पीजी डिप्लोमा : 800 रुपये प्रति घंटा (अधिकतम 40 हजार रुपये प्रतिमाह)
- यूजी व डिप्लोमा : 600 रुपये प्रति घंटा (अधिकतम 30 हजार रुपये प्रति माह)
- सर्टिफिकेट प्रोग्राम : 400 रुपये (अधिकतम 20 हजार रुपये प्रति माह)
- अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्रयोगशाला अनुदेशक (संविदा) : 20 हजार रुपये प्रतिमाह व ईपीएफ

HINDUSTAN PAGE 5

पीजी में प्रवेश की दौड़ से सात हजार अभ्यर्थी बाहर

दाखिले की दौड़

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। एलयू में पीजी प्रवेश परीक्षा 10 से 17 सितम्बर तक हुई। पीजी प्रवेश शुरू होने के पहले ही सात हजार से अधिक अभ्यर्थी आवेदन करने के बाद स्वयं एडमिशन की दौड़ से बाहर हो गए हैं।

विश्वविद्यालय में पीजी प्रवेश के लिए 28504 ने आवेदन किया था। जिनको आवेदन करने वाले विषय में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाना था। लखनऊ विश्वविद्यालय के जारी आंकड़ों के अनुसार आठ दिन चली पीजी प्रवेश परीक्षा में आवेदन करने के बाद भी 7058 अभ्यर्थियों ने पीजी के लिए हुई प्रवेश परीक्षा में हिस्सा नहीं लिया। परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले अभ्यर्थी स्वतः एडमिशन की दौड़ से बाहर हो गए। कुछ विषयों में आवेदन कम होने की वजह से उन विषयों की प्रवेश परीक्षा नहीं हुई। पीजी में प्रवेश के लिए सबसे ज्यादा आवेदन एलएलबी के लिए 5786 आए थे। जिसमें 1484 ने परीक्षा नहीं दी थी। अब 320 सीटों के लिए 4302 अभ्यर्थियों के बीच काउंसलिंग होगी। इसी प्रकार एमबीए में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले 2319 में से 669 अभ्यर्थी परीक्षा से गायब रहे। जिसमें अब परीक्षा देने वाले 1650 अभ्यर्थियों के लिए एडमिशन की राह आसान हो गई है। एम कॉम के लिए 1581 अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए रुचि दिखायी थी लेकिन प्रवेश परीक्षा में 388 अभ्यर्थी पहुंचे ही नहीं।

19 से 22 तक बीए और बीएससी काउंसलिंग

लखनऊ विश्वविद्यालय की बीए, बीएससी गणित और बायो की मेरिट सूची में अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 19 सितम्बर से शुरू हो रही है। 22 सितम्बर तक अभ्यर्थी च्वाइस फिलिंग कर सकेंगे। काउंसलिंग में शामिल होने के लिए पूर्व में दिए गए लॉगिन आईडी का प्रयोग करना होगा।

एमए शास्त्री परीक्षा 24 से 30 तक

लखनऊ। एलयू ने एमए शास्त्री दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। तीनों सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 से 30 तक सुबह नौ से 12 बजे की पाली में होंगी। 24 को अनिवार्य विषय प्रथम एवं 26 को द्वितीय प्रश्न पत्र होगा। 27 को आधुनिक विषय तृतीय, 28 को चतुर्थ प्रश्न पत्र, 26 को ऐच्छिक विषय का पांचवां एवं 30 को वोकेशनल विषय की परीक्षा होगी।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि में 24 से 30 तक होंगी एमए शास्त्री की परीक्षा

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमए शास्त्री दूसरे, चौथे तथा छठे सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। तीनों सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 से 30 तक प्रातः नौ से 12 बजे की पाली में होंगी। 24 को अनिवार्य विषय प्रथम एवं 26 को द्वितीय प्रश्न पत्र होगा। 27 को आधुनिक विषय तृतीय, 28 को चतुर्थ प्रश्न पत्र, 26 को ऐच्छिक विषय का पांचवां एवं 30 को वोकेशनल विषय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

केकेसी में सेल्फ फाइनेंस सीट पर दाखिले आज : श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय (केकेसी) में बीए और बीकॉम सेल्फ फाइनेंस सीटों के लिए जारी हुई दूसरी मेरिट लिस्ट से प्रवेश सोमवार को होंगे। बीए और बीकॉम दोनों ही पाठ्यक्रमों में दूसरी मेरिट लिस्ट की कटऑफ 57.2 प्रतिशत जारी की गई है। सोमवार को बची हुई सीटों के लिए तीसरी मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। महाविद्यालय में रेगुलर पाठ्यक्रम की सभी सीटें भर चुकी हैं।

लविवि में बीए व बीएससी में दाखिले के लिए काउंसलिंग आज से : लविवि की बीए, बीएससी गणित और बायो की मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 19 सितम्बर से शुरू होगी। 22 सितम्बर तक अभ्यर्थी च्वाइस फिलिंग कर सकेंगे। काउंसलिंग में शामिल होने के लिए पूर्व में दिए गए लॉगिन आईडी का प्रयोग करना होगा।

AMRIT VICHAR PAGE 5

बीए, बीएससी ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं अब 24 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक बीए, बीएससी द्वितीय सेमेस्टर (ओल्ड कोर्स) की परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया। यह परीक्षाएं अब 24 से 28 सितंबर तक होंगी। बीकाम द्वितीय सेमेस्टर ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित तिथि 20 सितंबर से शुरू होंगी। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर तिथिवार कार्यक्रम देख सकते हैं। बीए की परीक्षा का समय सुबह नौ से 10.30 बजे तक और बीएससी की परीक्षा दोपहर दो से 3.30 बजे तक रहेगा।